जीवन वृत्त

नाम: प्रो. सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी

जन्मतिथि: 08-12-1938
शिक्षा: एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य)
व्यक्तित्व एवम कृतित्व - अंग्रेजी साहित्य के सेवा निवृत्त प्राध्यापक, म.प्र. के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में लगभग चार दशक तक प्राध्यापक के रूप् में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी भाषा व साहित्य का अध्यापन किया।.देश के विख्यात खेल पत्रकारो मे से एक. क्रिकेट पर आधारित 9 पुस्तको के लेखक

खेल पत्रकारिता-

सन् 1980 से देश के विभिन्न अखबारों और पत्रिकाओं में क्रिकेट पर आधारित लेखन की शुरूआत की। तब से अब तक विभिन्न अखबारों एवं पत्रिकाओं में क्रिकेट पर आधारित आठ सौ से भी ज्यादा लेख एवं रिर्पोट्स लिखीं। लेखन का सिलसिला इन्दौर से प्रकाशित 'नईदुनिया' समाचार-पत्र से शुरू हुआ। उसके बाद उस दौर में प्रकाशित देश की प्रमुख साप्ताहिक पाक्षिक तथा मासिक पत्रिकाओं जैसे 'धर्मयुग', 'रविवार' और 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' जैसी ख्यात पत्रिकाओं के लिए नियमित लेखन कार्य किया। इसके साथ-साथ 'जनसत्ता', 'भास्कर', 'महानगर', तथा 'नवभारत टाइम्स' जैसे हिन्दी अखबारों तथा 'हिन्दुस्तान टाइम्स' और 'स्टेटमेन' जैन अंग्रेजी अखबारों के लिए भी लगातार क्रिकेट पर लेखन और रिर्पोटिंग की।

खेल पर प्रकाशित पुस्तकें-

क्रिकेट के विभिन्न आयामों पर केन्द्रित 9 पुस्तकों का लेखन तथा देश के प्रसिद्व क्रिकेटर विजय हजारे द्वारा अंग्रेजी में लिखित पुस्तक का 'मै और मेरे समकालीन' शीर्षक से हिन्दी अनुवाद किया। देश के ख्यातनाम प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित ये पुस्तकों क्रिकेट पर आधारित बेस्ट सेलर बुक्स में शामिल की जाती है।

1995 में कर्नल सी.के. नायडू पर आधारित पुस्तक लिखी, जिसका प्रकाशन भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा किया गया । 1997 में केप्टन मुश्ताक अली पर लिखित पुस्तक तथा सन् 2003 में 'हमारे आज के सितारे' और 'सचिन, वॉ और लारा में नंबर एक कौन' नामक पुस्तकों का प्रकाशन केन्द्र सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा किया गया।

सन् 2000 मे 'आजाद भारत में क्रिकेट' शीर्षक से लिखी पुस्तक का प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा किया गया। एन.बी.टी. द्वारा इसके बाद सन् 2005 में 'विश्व क्रिकेट और भारत' तथा सन् 2007 में 'ऑलराउंडर्स' नामक किताब का प्रकाशन भी किया गया। बाद में इस किताब का अंग्रेजी, मराठी, उर्दू और पंजाबी में अनुवाद भी प्रकाशित किया गया है। सन् 2007 में ही राजकमल प्रकाशन द्वारा 'भारतीय स्पिन गेंदबाजी की परम्परा' शीर्षक से भी पुस्तके प्रकाशित की गई।

भारत के क्रिकेट कप्तानों की उपलब्धियों एवं उनके खेल कौशल पर आधारित नई पुस्तक 'हमारे क्रिकेट कप्तान: नायडू से धोनी तक' राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित.

खेल संगठनों से जुड़ाव-

आजादी से पूर्व विश्वविद्यालय एवं क्लब स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट खेलने के बाद क्रिकेट के विभिन्न संगठनों से जुडकर इस खेल के विकास के लिए सकारात्मक योगदान दिया। सन् 1965 में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एम.पी.सी.ए.) के सदस्य बने। पिछले 25 वर्षो से एम.पी.सी.ए. की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य है। पिछले 6 वर्षो से एम.पी.सी.ए. की टेक्नीकल कमेटी के प्रमुख है। इन्दौर डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन की स्थापना से ही उसके आजीवन सदस्य है।

विशिष्ट उपलब्धि-

विगत तीन दशकों से क्रिकेट केन्द्रित लेखन के अलावा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के साथ-साथ बी.बी.सी. (हिन्दी) पर क्रिकेट विशेषज्ञ के रूप् में कई वार्ताओं और परिसंवादों में भाग लिया।

अन्य उपलब्धिया-

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा आरंभिक खेल पत्रिकारिता के डिग्री कोर्स में विशेषज्ञ प्राध्यापक के रूप् में अध्यापन किया।